University in News on 24 September 2023

i-NEXT PAGE 4

मैनेजमेंट के छात्र सीखेंगे विदेशी भाषा

एलयू ने अकेडमिक काउंसिल की बैठक में दी जा चुकी है मंजूरी

LUCKNOW(23 Sep) लखनऊ यूनिवर्सिटी के बीबीए के स्टूडेंट्स विदेशी भाषा सीख सकेंगे. एलयू ने यह पहल स्टूडेंट्स को कंपनी के अनुरूप कुशल बनाने और उन्हें विदेश में नौकरियों के अनुरूप रोजगारपरक देने की दृष्टि से की है. एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज आईएमएस में ग्रेजुएट स्टूडेंट्स के लिए अकेडमिक काउंसिल की बैठक में दिए गए प्रस्ताव पर मंजूरी देने के बाद उनकी पढ़ाई को और रोजगारपरक व कंपनी की डिमांड के हिसाब से बनाने पर फोकस किया जा रहा है. एलयू के बीबीए के स्टूडेंट्स को तीसरे सेमेस्टर में फ्रेंच या जर्मन में से किसी एक भाषा को चुनना होगा. इस सब्जेक्ट को नॉन क्रेडिट रखा गया है. इसको मंजूरी इसलिए दी गई है ताकि स्टूडेंट्स को विदेश में भी आसानी से नौकरी मिल सके. इसके अलावा एमबीए में भी कई बदलाव किए गए हैं.

HINDUSTAN PAGE 8

प्राचीन साहित्य शोध का आधार बनाएं

लखनऊ। एलयू के एपी सेन सभागार में शनिवार को साहित्य की लोकमंगल यात्रा शोध-परिकल्पना एवं क्रियान्वयन पर परिसंवाद का आयोजन हुआ। लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज गोंडा के शोध केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एलयू के कुलपति प्रो. आलोक राय रहे। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर अरविंद अवस्थी रहे। उन्होंने शोध के क्षेत्र में मौलिक काम पर जोर दिया। वर्धा के सभापति सूर्य दीक्षित ने कहा कि शोध सर्वेक्षणपरक होने चाहिए।प्राचीन साहित्य को भी शोध का आधार बनाना चाहिए।

अनुमान पर आधारित नहीं होना चाहिए शोध

लखनऊ। शोध अनुमान पर आधारित नहीं होना चाहिए। जिज्ञासा का समाप्त न होना ही शोध है। साहित्य लोक मंगल से ओत-प्रोत होता है।

लविवि के एपी सेन सभागार में शनिवार को हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग एवं शोध केंद्र श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, गोण्डा के संयुक्त तत्वावधान में हुए विशेष व्याख्यान में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ये बातें कहीं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा, शोध सर्वेक्षणपरक होने चाहिए। पाण्डुलिपियों का अध्ययन, पाठालोचन शोध के अनिवार्य पक्ष हैं, जिन पर शोधार्थियों को ध्यान देना चाहिये। इसके साथ ही प्राचीन साहित्य को शोध का आधार बनाना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्रा ने साहित्य की लोकमंगल यात्रा पर कहा कि हम लोकगीतों के माध्यम से संस्कार बयां करते हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. रश्मि कुमार, प्रो. पवन अग्रवाल, डॉ. ममता तिवारी व विवि के विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पांचवां सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लविवि में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में शनिवार को कई विषयों का पांचवां सीट आवंटन जारी किया गया। इनमें एमएससी बॉटनी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस व एमबीए शामिल हैं। देर शाम ललित कला संकाय के एमवीए और एमएफए पाठ्यक्रम में भी तीसरा सीट आवंटन जारी कर दिया गया। (संवाद)

संविधान की विशेषताओं पर व्याख्यान

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में शनिवार को जम्मू विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रो. वीपी मंगोत्रा ने 'भारत का संविधान- एक स्थायी दस्तावेज' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने संविधान की मुख्य विशेषताओं, कार्यप्रणाली और संरचना पर प्रकाश डाला। मौलिक अधिकारों, डीपीएसपी पर विचार रखे। केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के ऐतिहासिक मामले पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में डीन प्रो. बीडी सिंह, डॉ. मोहम्मद अहमद, डॉ. राजकुमार, डॉ. राजीव सिंह राठी, डॉ. मृणालिनी सिंह और डॉ. पंच ऋषि देव शर्मा थे। (संवाद)

लविविः चार छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ड्राइव में केमिस्ट्री विभाग के चार विद्यार्थियों का पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड में चयन हुआ। शुरुआत में इन्हें 2.37 लाख का स्टायपेंड और ट्रेनिंग के बाद चार लाख वार्षिक का पैकेज मिलेगा। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु ने बताया कि शुभम मिश्रा, रिया गुप्ता, पल्लवी शुक्ला और सचिन कुमार का चयन हुआ है। (संवाद)

NBT PAGE 4

'प्राचीन साहित्य को भी शोध का आधार बनाएं शोधार्थी'

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू के एपी सेन सभागार में शनिवार को साहित्य की लोकमंगल यात्रा शोध-परिकल्पना एवं क्रियान्वयन पर परिसंवाद का आयोजन हुआ। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग और लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज गोंडा के शोध केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी ने शोध के क्षेत्र में मौलिक कार्य करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सभापति प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि शोधार्थियों को प्राचीन साहित्य को भी अपने शोध का आधार बनाना चाहिए। मौके पर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो शैलेंद्र नाथ मिश्रा, प्रो. रश्मि कुमार समेत कई शिक्षक और स्टूडेंट्स शामिल रहे।

LU : दस्तावेज का सत्यापन कल

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट में नए स्टूडेंट्स के दस्तावेजों का सत्यापन सोमवार को होगा। इस संबंध में सूचना वेबसाइट पर अपलोड की गई। वहीं विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने बताया कि एमबीए कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले नए स्टूडेंट्स का ओरिएंटेशन प्रोग्राम 26 और 27 सितंबर को होगा।

पीजी के तीन विषयों में पांचवां सीट अलॉटमेंट जारी

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू में पीजी प्रवेश प्रक्रिया के तहत कई विषयों में पांचवां सीट आवंटन शनिवार को जारी कर दिया गया है। इनमें एमएससी बॉटनी या माइक्रो बायॉलजी, एमएससी फरेंसिक साइंस और एमबीए या एमटीटीएम पाठ्यक्रम शामिल हैं। वहीं एमवीए या एमएफए में तीसरा सीट अलॉटमेंट जारी किया गया है। अभ्यर्थी अपने लॉग इन आईडी की मदद से अपना आवंटन देख सकते हैं। सोमवार रात 12 बजे तक फीस जमा की जा सकती है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सभी कार्यों से जुड़ा रसायन शास्त्र : वीपी शर्मा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने अपनी 'पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला' में 15वें व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के प्रोफेसर वीपी शर्मा द्वारा दिया गया। आरंभ में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो.अनिल मिश्र ने उल्लेख किया कि इस तरह के पूर्व छात्रों के व्याख्यान रसायन विज्ञान विभाग के लिए एक वरदान है क्योंकि यह अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों को रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की समझ में नई अंतर्दृष्टि देता है। प्रोफेसर शर्मा का परिचय डॉ. सीमा मिश्रा द्वारा कराया गया और डॉ. ओम प्रकाश द्वारा उन्हें एक मोमेंटो दिया गया।

■ रसायन विज्ञान विभाग का 15वां व्याख्यान

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली : वेहतर जीवन के लिए प्रयोगशालाओं और जीवन शैली में प्रथाओं के निरंतर सुधार के लिए' विषय पर अपने व्याख्यान में प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि रसायन शास्त्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारे सभी कार्यों से जुड़ा हुआ है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रासायनिक परिवर्तन के व्यावहारिक ज्ञान की मूल बातें विभिन्न विषयों में सहायक है और भारी मान्यता प्राप्त की है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और इसके बारे में अलग-अलग धारणाओं से सोचा जा रहा है। ओईसीडी, जीएलपी, जीएमपी, जीसीपी, एफएसएसएआई, एफएओ.एफडीए, ईयू, आईएस, एएसटीएम, आईपी आदि और अन्य अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार गुणवत्ता प्रबंधन उन्नयन, योग्यता निर्माण और ग्राहक संतुष्टि के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में विभाग के सभी संकाय सदस्यों और शोध छात्रों ने भाग लिया।

प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर की पुस्तक 'भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं कला' का विमोचन

■ पुस्तक को पढ़कर उसका परीक्षण करिए फिर तथ्यों पर विश्वास कीजिए : प्रोफेसर आलोक कुमार

लखनऊ (एसएनबी)। प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं कला (लेख संग्रह) का विमोचन लखनऊ विवि कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय, न्यायमूर्ति अशोक कुमार तथा प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं कला संकाय के पूर्व डीन प्रो. किरण कुमार थपलियाल, हिन्दी सेवी राम किशोर वाजपेयी ने किया।

विश्वविद्यालय के एपी सेन हाल में हिन्दी वाङ्मय निधि के तत्वावधान में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में प्रो. आलोक कुमार राय ने पुस्तक की उपयोगिता एवं वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि किसी भी पुस्तक को पढ़कर उसका परीक्षण करिए फिर तथ्यों पर विश्वास कीजिए। इससे ही आप भी विद्वान वन सकते है। न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने इस पुस्तक द्वारा भारतीय संस्कृति को समझने में सरलता की बात कही। प्रो. थपलियाल ने बताया कि प्राचीन इतिहास के अवगाहन करने के लिए किस प्रकार प्राचीन भारतीय ब्रह्मी लिपि पढ़ी गई।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एमएससी की सीटों का हुआ आवंटन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमएससी बाटनी, माइक्रोबायोलाजी और एमएससी फारेंसिक साइंस में सीटों के आवंटन की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसके अलावा एमबीए और एमटीटीएम की पांचवीं और एमवीए व एमएफए की तीसरी लिस्ट जारी हुई है।

चार छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से पीटीसी एवं एलॉय टेक्नोलॉजीस में विश्वविद्यालय के चार छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। प्लेसमेंट सेल की निदेशिका डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि पीटीसी लखनऊ की प्रतिष्ठित मैन्यूफेक्चरिंग और टेक्नोलॉजी सेंटर है। इनकी चयन प्रक्रिया भी कई चरणों में की गई थी और लगभग दो महीने से चल रहे साक्षात्कारों के बाद परिणाम आया है। अभी इन छात्रो को आरंभ में ट्रेनिंग के लिए पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी पर 2.37 लाख रुपये प्रतिवर्ष स्टायपेंड दिया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE I, III

बी.टेक. में शिक्षकों, कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश का कोटा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बी.टेक (एनईपी) पाठ्यक्रम में शिक्षकों व कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश के लिए पांच फीसद सीटों का कोटा मिलेगा। ये सीटें निर्धारित सीटों से अतिरिक्त होंगी। बीते दिनों हुई विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। यह सुविधा इसी सत्र 2023-24 से दी जाएगी।

• लवि विद्या परिषद और कार्य परिषद की बैठक में मिल चुकी है प्रस्ताव को मंजूरी

इसी सत्र से लवि शिक्षकों व कर्मचारियों के बच्चों को बी.टेक में प्रवेश संबंधी कोटा लागू कर दिया गया है।

डा. विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव, लवि

लवि में अभी तक अन्य पाठ्यक्रमों में शिक्षकों व कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश के लिए कोटा निर्धारित है। बी.टेक पाठ्यक्रम में दाखिले एंकेटीयू की काउंसिलिंग से होने की वजह से उसमें यह सुविधा नहीं थी। इस बार से लवि बी.टेक, बी.सीए, बी.फार्मा पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की सुविधा दी जाएगी।

यहां उपलब्ध कराएं प्रमाण पत्र : लवि कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने बताया कि बी.टेक पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय कर्मचारियों व शिक्षकों के बच्चों को कोटा देने का निर्णय लिया है। जिन कर्मचारियों के बच्चों ने इस कोर्स में आवेदन किया है, वह अपने प्रार्थना पत्र के साथ कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी कर्मचारी कोटा संबंधी प्रमाण पत्र प्रवेश समन्वयक कार्यालय अथवा अध्यक्ष या महामंत्री को उपलब्ध करा दें, जिससे उनके बच्चे का प्रवेश सुनिश्चित हो सके।

पूर्व छात्र का व्याख्यान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से शनिवार को "पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला' में 15वें व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान के प्रो. वीपी शर्मा ने दिया। उन्होंने कहा कि रसायन शास्त्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारे सभी कार्यों से जुड़ा हुआ है। रासायनिक परिवर्तन के व्यावहारिक ज्ञान की मूल बातें विभिन्न विषयों में सहायक है। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय के चार छात्रों को प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के माध्यम से पीटीसी और एलॉय टेक्नोलॉजीस में विश्वविद्यालय के चार छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। मुख्य बात यह रही इन चारों को लखनऊ हेडक्वार्टर्स में ही प्लेसमेंट मिला है।प्लेसमेंट सेल की निदेशिका डॉ मधुरिमा लाल ने बताया कि पीटीसी, लखनऊ की अत्यंत प्रतिष्ठित मैन्यूफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी सेंटर है जिसमें प्लेसमेंट पाना बेहद गौरव की बात है।इनकी चयन प्रक्रिया भी कई चरणों में की गई थी और लगभग दो महीने से चल रहे साक्षात्कारों के बाद परिणाम आया है। अभी इन छात्रो को आरंभ में ट्रेनिंग के लिए पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी पर 2.37 लाख प्रति वर्ष (एलपीए) स्टायपेंड दिया जाएगा।इसके बाद इनकी संतोषजनक ट्रेनिंग पूरी होते ही इन को एग्जीक्यूटिव पोस्ट पर चार लाख एलपीए पर प्रमोट कर दिया जाएगा। चयनित होने वाले विद्यार्थियों में सभी रसायन विज्ञान विभाग से शुभम मिश्रा, रिया गुप्ता, पल्लवी शुक्ला और सचिन कुमार है।

LOKSATYA PAGE 3

शोध की दशा और दिशा, संभावना और गुणवत्ता पर जोर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा की ओर से 'साहित्य की लोकमंगल यात्रा शोध-परिकल्पना एवं क्रियान्वयन' विषयक परिसंवाद हुआ। बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने शोध छात्रों को शोध की दशा और दिशा, संभावना और गुणवत्ता पर उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता कला संकाय प्रो अरविंद अवस्थी ने शोध संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए शोध के क्षेत्र में मौलिक कार्य करने पर जोर दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सभापति प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि शोध सर्वेक्षणपरक होने चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाण्डुलिपियों का अध्ययन, पाठालोचन शोध के अनिवार्य पक्ष हैं। लोकसत्य

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

शोध की दशा-दिशा, संभावना व गुणवत्ता पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय तथा शोध केंद्र लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा के संयुक्त तत्वावधान में साहित्य की लोकमंगल यात्रा शोध-परिकल्पना एवं क्रियान्वयन विषयक परिसंवाद का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर शोध छात्रों को शोध की दशा और दिशा,संभावना और गुणवत्ता पर उद्बोधन दिया। लविवि के एपी सेन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता कला संकाय प्रो.अरविंद अवस्थी ने शोध संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए शोध के क्षेत्र में मौलिक कार्य करने पर जोर दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सभापति प्रो.सूर्य प्रसाद दीक्षित ने अपने वक्तव्य में जोर देकर कहा कि शोध सर्वेक्षणपरक होने चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पाण्डुलिपियों का अध्ययन, पाठालोचन शोध के अनिवार्य पक्ष हैं, जिन पर आज के शोधार्थियों को ध्यान देना चाहिये। इसके साथ ही प्राचीन साहित्य को अपने शोध का आधार भी बनाना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो.शैलेंद्र नाथ मिश्रा ने विषय पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए साहित्य की लोक मंगल यात्रा पर विस्तार से अपनी बात रखी। इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, गोंडा की प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष सुश्री वर्षा सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, गोंडा में हो रहे ज़रूरी शोध कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.रश्मि कुमार ने स्वागत भाषण एवं प्रो. पवन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.ममता तिवारी ने किया। इस अवसर पर विभाग के तथा विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पावर सेक्टर की मुख्य चुनौतियां व अवसर पर व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। वर्तमान में पावर सेक्टर के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों में विद्युत प्रणाली के सुधार, अभिनव तकनीकों को खोजने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन एवं नये भारत की बढ़ती मांग के अनुसार बिजली उत्पादन और उसकी आपूर्ति को सुनिश्चित करना है। उक्त बातें इंजीनियर रमेश कुमार रावत ने लविवि में चैलेंजस एंड ऑपच्यरुनिटीज इन इंडियन पावर सेक्टर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही। उन्होंने भविष्य में इंडियन पावर सेक्टर की उपयोगिता पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। वर्तमान समय में भारत बिजली उत्पादन के कई अल्टरनेटिव तकनीक एवं स्रोतों पर काम कर रहा है। पावर सेक्टर को और भी ऊंचत बनाने के लिए युवाओं को नई तकनीक की खोज करनी चाहिए। कहा कि भारत ने विद्युत क्षेत्र में एक नई ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाया है और उसके साथ ही आगामी समय में और अधिक उन्नति की आशा है। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संचालित इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डीन प्रो.एके सिंह ने मुख्य वक्ता इंजीनियर रमेश कुमार रावत चीफ मैनेजर,पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड का औपचारिक स्वागत फूलों का गुलदस्ता व स्मृति चिन्ह देकर किया। व्याख्यान का आयोजन डॉ. गौरव गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट, फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग ने किया। इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।